आरोप | शहडोल में रिश्वत लेते पकड़ा गया डॉक्टर, कागजों में श्योपुर में भी था पदस्थ, बिना ड्यूटी लाखों का वेतन लेने के आरोप

रिश्वतखोर डॉक्टर 5 साल से दूसरे जिले से भी ले रहा था वेतन

शहडोल में ट्रैप हुआ तो खुली सिस्टम की परतें

नवभारत, शहडोल। भ्रष्टाचार के खिलाफलोकायुक्त की कार्रवाई में शुक्रवार को शहडोल जिले के जयसिंहनगर विकासखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उफरी के पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। इस मामले ने अब सिर्फ भ्रष्टाचार ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सामने आया है कि डॉक्टर पिछले करीब पांच वर्षों से श्योपुर जिले के सहसराम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ था, लेकिन वहां नियमित सेवा दिए बिना ही लाखों रुपये का वेतन उठाता रहा। दूसरी ओर वह शहडोल में सक्रिय रहा, जहां आखिरकार लोकायुक्त के शिकंजे में आ गया।

5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा गया मेडिकल ऑफिसर

स्थानांतरण आदेश निरस्त कराने और रवानगी रोकने के नाम पर मांगे थे 10 हजार रुपए

नवभारत, शहडोल। भ्रष्टाचार के खिलाफलोकायुक्त की कार्रवाई में शुक्रवार को शहडोल जिले के जयसिंहनगर विकासखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उफरी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी चिकित्सक शिकायतकर्ता की पत्नी का सलग्नीकरण (अटैचमेंट) आदेश निरस्त कराने एवं रवानगी नहीं देने के बदले 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था।

लोकायुक्त रीवा के अनुसार उमरिया जिले के पटनार खुर्द निवासी वीरेंद्र सिंह ने 18 मई 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी पार्वती सिंह के सलग्नीकरण आदेश को निरस्त कराने और रिलीव न करने के एवज में डॉ. महेश चंद्र शर्मा 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने 5 हजार रुपये पहले ही ले लिए थे और शेष 5 हजार रुपये की मांग बरकरार रखी। शिकायत सही पाए जाने के बाद लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा के निर्देशन में ट्रैप टीम गठित की गई।

शुक्रवार को जयसिंहनगर बस स्टैंड पर जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरोपी को 5 हजार रुपये दिए, पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 198[illegible] (संशोधित 2018) की धारा 7 [illegible] तहत मामला दर्ज कर आगे [illegible] कार्रवाई की जा रही है। [illegible] कार्रवाई लोकायुक्त [illegible] महानिदेशक योगेश देशमुख, [illegible] पुलिस महानिरीक्षक मनोज [illegible] तथा पुलिस अधीक्षक योगे[illegible] शर्मा के मार्गदर्शन में निरीक्ष[illegible] संदीप सिंह भदौरिया एवं निरीक्ष[illegible] एस. राम मरावी के नेतृत्व में [illegible] लोकायुक्त की टीम ने [illegible] लोकायुक्त ने आम नागरिकों [illegible] अपील की है कि यदि को[illegible] शासकीय अधिकारी या कर्मचा[illegible] किसी कार्य के बदले रिश्वत [illegible] मांग करता है तो इसकी शिकाय[illegible] लोकायुक्त रीवा के हेल्पलाइ[illegible] नंबर 98936-07619 पर करें।

शहडोल और श्योपुर में एक साथ कर रहा था नौकरी

मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि यदि डॉक्टर 2021 से श्योपुर में पदस्थ था, तो उसकी उपस्थिति किसने दर्ज की। बिना मौके पर सेवा दिए वेतन किस आधार पर जारी होता रहा और यदि वह शहडोल में कार्यरत था तो दोनों जिलों के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका क्या रही। हैरानी की बात यह भी है कि हाल ही में राष्ट्रपति के श्योपुर दौरे के दौरान जारी मेडिकल ड्यूटी सूची में भी इसी डॉक्टर का नाम शामिल था। इससे स्पष्ट होता है कि सरकारी रिकॉर्ड में वह लगातार श्योपुर में पदस्थ माना जाता रहा, जबकि उसकी गिरफ्तारी शहडोल में रिश्वत लेते हुए हुई।

इस पूरे घटनाक्रम ने स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड, उपस्थिति प्रणाली और वेतन भुगतान व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यदि जांच में यह साबित होता है कि बिना वास्तविक सेवा के वर्षों तक वेतन जारी होता रहा, तो यह केवल एक डॉक्टर का मामला नहीं बल्कि विभागीय मिलीभगत और निगरानी व्यवस्था की बड़ी विफलता माना जाएगा। श्योपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिलीप सिंह सिकरवार ने भी मामले की जांच कराने की बात कही है। उनका कहना है कि संबंधित डॉक्टर की पदस्थापना, सेवा रिकॉर्ड, उपस्थिति और वेतन भुगतान से जुड़े सभी तथ्यों की जांच कराई जाएगी। यदि अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

इनका कहना है

डॉ. महेश चंद्र शर्मा, वर्ष 2024 से लगातार यहाँ पदस्थ हैं, शहडोल सीएमएचओ से पत्राचार किया गया है, सम्बंधित की समस्त जानकारी चाही गई गई, सभी तथ्यों की गंभीरता से जांच कराते हुए अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

डॉ. दिलीप सिंह सिकरवार
सीएमएचओ श्योपुर

उठ रहे हैं बड़े सवाल

पांच साल तक बिना नियमित सेवा के वेतन कैसे जारी होता रहा। उपस्थिति प्रमाणित करने वाला अधिकारी कौन था। शहडोल में सक्रिय रहने के बावजूद श्योपुर के रिकॉर्ड में पदस्थ क्यों बना रहा। राष्ट्रपति दौरे की ड्यूटी सूची में नाम किस आधार पर शामिल किया गया। क्या स्वास्थ्य विभाग में ऐसे और भी कागजी डॉक्टर हैं, जो सिर्फरिकॉर्ड में सेवा दे रहे हैं। लोकायुक्त की ट्रैप कार्रवाई ने एक रिश्वतखोर डॉक्टर को तो बेनकाब कर दिया, लेकिन अब निगाहें इस बात पर हैं कि जांच केवल डॉक्टर तक सीमित रहती है या फिर वर्षों से चल रहे पूरे सिस्टम की जवाबदेही भी तय होती है। क्या बिना उपस्थिति के वेतन जारी करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होगी और उन पर कार्यवाही की जाएगी।

रेलवे की जर्जर दीवार गिरी, मलबे की चपेट में आए 3 बच्चे

नवभारत,शहडोल। रेलवे की जर्जर दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। रेलवे इंस्टीट्यूट के पास स्थित रेलवे की एक पुरानी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। उस समय दीवार के पास तीन बच्चे खेल रहे थे, जो मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने शोर सुनते ही दौड़कर दीवार का मलबा हटाना शुरू किया और तीनों बच्चों को बाहर निकाला। घायल बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चों के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। कुछ बच्चों को फ्रैक्चर के साथ हेड इंजरी भी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में सभी का उपचार चल रहा है। हादसे में घायल बच्चों की पहचान यश कुमार, निशांत कुमार और अंशुमन पांडेय के रूप में हुई है। तीनों की उम्र करीब 10 से 12 वर्ष के बीच बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया के वित्त विभाग में बड़ा फेरबदल, दो अधिकारियों का तबादला

नवभारत,धनपुरी । एसईसीएल बिलासपुर मुख्यालय द्वारा सोहागपुर एरिया के वित्त विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नई पदस्थापनाओं के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार सोहागपुर एरिया के वित्त विभाग में कार्यरत दो अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है, वहीं उनकी जगह दो अन्य अधिकारियों की पदस्थापना भी की गई है। स्थानांतरण सूची के अनुसार वित्त विभाग में पदस्थ गौरव सिंह पटेल का स्थानांतरण जोहिला एरिया कर दिया गया है। उनकी जगह हितेश कुमार साहू, जो अब तक हसदेव एरिया में अपनी सेवाएं दे रहे थे, को सोहागपुर एरिया के वित्त विभाग में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। हितेश कुमार साहू के आगमन से वित्तीय कार्यों में अनुभव और बेहतर समन्वय की उम्मीद जताई जा रही है। इसी क्रम में सोहागपुर एरिया में पदस्थ अभय बंसल का स्थानांतरण चिरमिरी एरिया कर दिया गया है। उनके स्थान पर सतपाल, जो वर्तमान में जमुना-कोतमा क्षेत्र में पदस्थ थे, को सोहागपुर एरिया के वित्त विभाग में नियुक्त किया गया है। नई पदस्थापनाओं के बाद वित्त विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

एक नजर में

योगेंद्र कुमार वार्ष्णे बने नए सीईओ ओपीएम

नवभारत, धनपुरी। ओ,पी, एम एशिया में कागज उत्पादन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाला कागज उद्योग ओरिएंट पेपर मिल अमलाई के नये चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में योगेंद्र कुमार वार्ष्णे ने प्रभार ग्रहण किया वार्ष्णे को 30 वर्षो का कागज उद्योग में कार्य करने का अनुभव प्राप्त है श्री वार्ष्णे कागज उद्योग के साथ-साथ समाजिक क्षेत्र में भी कार्य करने के लिए भी जाने जाते हैं उनके नए दायित्व ग्रहण करने पर कर्मचारीयों एवं क्षेत्र की जनता में हर्ष व्याप्त है श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ ने उन्हें नए दायित्व ग्रहण करने पर शुभकामनाएं प्रेषित की है भारतीय मजदूर संघ श्रमिक यूनियन ने विश्वास जताया कि श्रमिक हितों का ध्यान रखते हुए कागज उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे!

सेवानिवृत्त हुए दशरथ सिंह , विदाई समारोह का हुआ आयोजन

नवभारत, जयसिंहनगर। परियोजना कार्यालय में ही अपनी सेवाएं दी। उनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर विगत 01 जुलाई को कार्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जहां समस्त स्टाफने सामूहिक रूप से उपहार भेंट किया। इस दौरान पर्यवेक्षक अन्ना लकड़ा के स्थानांतरण पर उन्हें भी पुष्पगुच्छ भेंट कर विदाई दी गयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से परियोजना अधिकारी अजय मिश्रा, पर्यवेक्षकों, कार्यकर्ताओं सहित स्टाफके अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बरसात में बढ़ा सर्पदंश का खतरा, सावधानी से टल सकती है बड़ी दुर्घटना

नवभारत,शहडोल। मानसून के दौरान सांपों के बिलों में पानी भर जाने से उनके घरों और आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और सावधानी अपनाकर सर्पदंश की घटनाओं से बचा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार घर के बाहर ड्रेनेज पाइप के आउटलेट पर मजबूत जाली लगाएं। घर के आसपास उगी झाड़ियां, घास, कचरा और अनुपयोगी सामान हटाकर नियमित साफ-सफाई रखें। गमलों को सीधे जमीन पर रखने के बजाय स्टैंड या ऊंचे स्थान पर रखें तथा उनके आसपास भी सफाई बनाए रखें। दरवाजों और खिड़कियों के नीचे या आसपास यदि कोई गैप हो तो उसे बंद कर दें, ताकि सांप घर के भीतर प्रवेश न कर सकें। रात के समय घर से बाहर निकलते समय हमेशा टॉर्च का उपयोग करें। खेत, बगीचे या घास वाले क्षेत्रों में जाते समय मजबूत और बंद जूते पहनें। बच्चों को झाड़ियों, लकड़ी के ढेर और पत्थरों के आसपास खेलने से रोकें।यदि कहीं सांप दिखाई दे तो घबराएं नहीं और उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। उसे पकड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल न करें। तत्काल स्नेक रेस्क्यू टीम, वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना देकर अपनी लोकेशन साझा करें।

कार से 20 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त ,1 .37 लाख की अवैध शराब बरामद

नवभारत,धनपुरी। जिले में अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना धनपुरी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आर्टिका कार से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत 1,37,916 रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब के साथ परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त कर लिया है तथा मामले में आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 3 जुलाई 2026 की दरम्यानी रात थाना धनपुरी पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बंदरचुई (खोह) स्थित क्रेशर के समीप जंगल के रास्ते में एक संदिग्ध आर्टिका वाहन खड़ा है, जिसमें अवैध शराब रखी हुई है। सूचना मिलते ही थाना

प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी।

पुलिस को मौके पर आर्टिका वाहन क्रमांक एमपी 65-जेडी -2292 संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। वाहन की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें 18 पेटी गोवा अंग्रेजी शराब एवं 2 पेटी 8 पीएम अंग्रेजी शराब बरामद हुई। कुल मिलाकर वाहन से 20 पेटियों में 179.28 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1,37,916 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने शराब के साथ वाहन को भी विधिवत जब्त कर लिया। अवैध पैकारी पर धनपुरी पुलिस की कार्यवाही पर प्रश्न चिन्ह धनपुरी थाना अंतर्गत अवैध शराब की पैकारी पर धनपुरी पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने पर भी आम लोगों ने प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है जब अन्य क्षेत्र के अवैध शराब परिवहन पर धनपुरी पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाती है तो फिर सवाल यह उठता है की नगर के अंदर अवैध रूप से शराब की पैकारी पर स्थानीय पुलिस की कार्यवाही क्यों नहीं होती क्या पुलिस को नहीं मालूम नगर मे अवैध पैकारी कहाँ की जा रही । प्रारंभिक जांच में वाहन चालक मौके से फरार मिला। इस मामले में थाना धनपुरी पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक एवं वाहन स्वामी बब्बू नायक, निवासी भेजरी, थाना अमरकंटक, जिला अनूपपुर (मध्यप्रदेश) के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है और शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक नागेन्द्र प्रताप सिंह, सिंह, प्रधान आरक्षक रामनाथ बांधव, राकेश सिंह, हेमन्त सिंह, अशोक बरकड़े, आरक्षक अमित सिंह तथा जयप्रकाश की महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भविष्य में भी अवैध शराब और मादक पदार्थों के विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहने की बात कही गई है।

चुंगी नाका के पास दुकानों में भरा पानी

नवभारत,ब्यौहारी। नगर परिषद व्यवहारी के अंतर्गत आज शाम 4 बजे हुई झमाझम बारिश में चुंगी नाका के पास स्थित कई दुकानों में पानी भर गया परेशान दुकानदारों में गणपति ऑटोमोबाइल के संचालक सौरभ शुक्ला ने बताया कि यहां पर सामने जब भी तेज बारिश होती है तो कई दुकानों में पानी भर जाता है शासन प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया लेकिन अभी तक इसका कोई समाधान नहीं निकला शराब भट्टी से लेकर आरा मशीन तक ठेकेदार की लापरवाही से पानी भर रहा है एमपी आरडीसी को कई बार इसकी सूचना दी गई लेकिन हर बार यही कहा गया कि हम समाधान कर देंगे यदि यहां पर एक मोती पाइप लगाकर सड़क के अंदर से सीधे खटखारिया तालाब में जोड़ दिया जाए तो यहां की समस्या का

समाधान आसानी से हो सकता है दुकानदारों ने कलेक्टर से शीघ्र समाधान की मांग की है।

भाजपा का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आज

अनु. जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव रहेंगे उपस्थित

नवभारत,शहडोल। भारतीय जनता पार्टी जिला शहडोल द्वारा सोमवार 6 जुलाई को धनपुरी में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि सम्मेलन भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा की अध्यक्षता में धनपुरी स्थित इंडोर स्टेडियम के सामने आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव होंगे, जो कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा शहडोल संभाग संगठन प्रभारी गौरव सिरोठिया, भाजपा जिला संगठन प्रभारी अभिलाष पांडे,

जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, ब्यौहारी विधायक शरद कोल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा उपस्थित रहेंगी। भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने जिले के सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।भाजपा नेताओं के अनुसार सम्मेलन में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा एवं मार्गदर्शन किया जाएगा।

बारिश के दरिया में भी जलता रहा इश्क़-ए-हुसैन का चराग़

याद-ए-कर्बला कव्वाली महफ़िल ने बांधा अकीदत का समां
मूसलाधार बारिश के बावजूद हज़ारों अकीदतमंदों की मौजूदगी में सूफ़ियाना कलाम

नवभारत ,धनपुरी। यादगार-ए-शहीदाने कर्बला कमेटी, धनपुरी के ज़ेरे-एहतिमाम आयोजित एक रोज़ा 'याद-ए-कर्बला कव्वाली महफ़िल' अदब, अकीदत और रूहानियत के शानदार माहौल में मुकम्मल हुई। मूसलाधार बारिश के बावजूद अकीदतमंदों का जोश कम नहीं हुआ और देर रात तक पूरा पंडाल इमाम हसन-हुसैन की अज़मत, सूफ़ियाना कलाम तथा कौमी यकजहती के पैग़ाम से गूंजता रहा।

कार्यक्रम का आग़ाज़ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष खंडेलवाल, विशिष्ट अतिथि जनाब हिदायत उल्ला खान (जिला न्यायाधीश, देपालपुर, इंदौर), कार्यक्रम अध्यक्ष आनंद मोहन जायसवाल, मर्कजी लंगर कमेटी के सदर मोहम्मद आजाद, कोयला व्यापारी व समाजसेवी बद्री प्रसाद पांडे, पूर्व अध्यक्ष मुबारक मास्टर, जवाहर जसवानी, शरीफ नियाजी, नगर के प्रबुद्धजन तथा हज से लौटे हाजी साहबान के फूल-मालाओं और बैच लगाकर इस्तकबाल के साथ हुआ। इसके बाद मुल्क के मशहूर सूफी कव्वाल जनाब हाजी मुकर्रम वारसी और उनकी हमनवा टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम की निज़ामत वरिष्ठ अधिवक्ता जनाब कलाम मोहम्मद ने अपने पुरवक़ार अंदाज़ और शेरो-शायरी के साथ की। हाजी मुकर्रम वारसी ने इमाम हुसैन की अज़मत और अहलेबैत की मोहब्बत में एक से बढ़कर एक सूफ़ियाना कलाम पेश किए। 'मन कुंतो मौला' और 'जो हिंदुस्तान से प्यार नहीं करता, वह आदमी मुझे अच्छा नहीं लगता' जैसे कलामों पर पूरा पंडाल तालियों और दाद से गूंज उठा। महफ़िल का सबसे जज़्बाती लम्हा तब आया, जब विशिष्ट अतिथि जनाब हिदायत उल्ला खान ने इमाम हसन-हुसैन की शान में अपना कलाम पेश किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि धनपुरी की अवाम की मोहब्बत उन्हें इस महफ़िल तक खींच लाई और ऐसी महफ़िलें इंसानियत, अमन और भाईचारे का पैग़ाम फैलाती हैं।आयोजन की सफलता में कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अशफाक, उपाध्यक्ष मोहम्मद शाहिद (बुढ़ार), कोषाध्यक्ष इमरान अशरफी, प्रचार-प्रसार प्रभारी मोहम्मद साबिर, मीडिया प्रभारी इरफ़ान खान व मोहम्मद शकील सहित समस्त पदाधिकारियों, स्वयं सेवकों और नगरवासियों की सक्रिय भूमिका रही। अंत में हाजी मुकर्रम वारसी ने 'या मोहम्मद नूरे मुजस्सम' कलाम पेश किया, जिसके बाद सलाम, दुआ और मुल्क में अमन, तरक़्क़ी व कौमी यकजहती की दुआओं के साथ महफ़िल का समापन हुआ।

कार्यक्रम | स्वामी विवेकानंद शाखा ने आयोजित किए विभिन्न कार्यक्रम

स्थापना दिवस पर भारत विकास परिषद का सेवा पखवाड़ा आयोजित

नवभारत, शहडोल। भारत विकास परिषद अखिल भारत स्तर पर संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश के जन्मदिन 27 जून से लेकर स्थापना दिवस 10 जुलाई तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन कर रहा हैं, इसी क्रम में स्वामी विवेकानंद शाखा शहडोल के द्वारा विभिन्न प्रकार के सेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए परिषद की सचिव नीति सिंघल ने बताया कि पांडव नगर स्थित सेवा बस्ती में विद्यार्थीयों को शैक्षिक सामग्री के वितरण के बाद वृद्धाश्रम के बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण जिला चिकित्सालय में ले जाकर कराया गया। उन्होंने बताया कि परिषद एवं जिला प्रशासन के सहयोग से वृद्धाश्रम के बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित किया जाता है, किंतु सेवा पखवाड़ा के तहत परिषद ने रहवासियों के सम्पूर्ण स्वास्थ्य की जांच के लिए जिला अस्पताल ले जाकर उनके रक्त की जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श दिलवाया गया। साथ ही आवश्यक दवाओ का वितरण भी सुनिश्चित किया गया।

सिकल सेल एनीमिया की दी गई जानकारी

विद्यालय की किशोरी बालिकाओ के मध्य एनीमिया एवं सिकल सेल के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला बाल विकास की सेवानिवृत्ति परियोजना अधिकारी निशा दीक्षित ने एनीमिया के बारे में तथा डॉ. अंबुज सोनी ने सिकल सेल के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में उपस्थित जिला चिकित्सालय की प्रबन्धक एवं परिषद सदस्य पूजा सोनी ने सभी बालिकाओं के सिकल सेल स्क्रीनिंग कराए जाने का आश्वासन दिया।

उपरोक्त विभिन्न कार्यक्रमों में परिषद के सदस्य सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ भारती गुप्ता, डॉ रितु सोनी, श्रीजा गुप्ता, ममता नेमा, अखिलेश शर्मा, प्रमोद सोनी, अजय मोर, रवि नेमा, अरुणिमा सिंह, विजय दुबे, संगीता मोर, देवेंद्र गुप्ता, गौरव मिश्रा, रविकांत द्विवेदी, संजू शर्मा, क्षमा मिश्रा, नीरज गुप्ता, नेहा गुप्ता, अनिल दीक्षित, हेमा गुप्ता, वर्षा द्विवेदी, रेनू मिश्रा, सूर्यांश, मिष्टी, अन्वी, निष्ठा विद्यालय के प्राचार्य एनके प्रजापति तथा एसके पटेल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

परिषद ने किया पौधरोपण

5 जुलाई को ज्ञानोदय विद्यालय विचारपुर के कैंपस में 50 से अधिक विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। जो वृक्ष के रूप में विकसित हो इसके लिए विद्यालय के बच्चों को पौधों का अभिभावक बनाकर उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी दी गई। रोपे गए पौधों में आम नींबू आंवला अमरूद सीताफल हर्रा बहेरा नीम पीपल काजू बांस आदि विभिन्न प्रकार के फल एवं छायादार प्रजातियां शामिल है।वृक्षारोपण के बाद विद्यालय के सभागार में परिषद का शाखा स्तरीय कार्यशाला आयोजित किया गया जिसमें परिषद के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला में नीति सिंघल ने शाखा संचालन की कार्य विधि, मनीष गुप्ता ने सदस्यता विस्तार, सुशील सिंघल ने आदर्श शाखा की विशेषताओ और एसएस जौहरी ने संगठन में संपर्क के महत्व को बताया। कार्यशाला में सीए सुशील सिंघल एवं डॉ. अम्बुज सोनी का सम्मान भी किया गया।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रहार!

पत्रकार को मिली धमकियां पुलिस महकमे में हड़कंप

नवभारत,धनपुरी। जिले के धनपुरी से एक बेहद चौंकाने वाला और गंभीर मामला सामने आया है, जहां जनता की आवाज उठाने वाले एक पत्रकार को ही डराने-धमकाने और उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की गई है। आवेदन पत्र में दिख रहे आधिकारिक शिकायती पत्र के अनुसार, धनपुरी थाना अंतर्गत रहने वाले और प्रतिष्ठित समाचार पत्रों से जुड़े पत्रकार अंकित गुप्ता को फोन पर बेहद अभद्र और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दी गई हैं। व्हाट्सएप पर आई धमकी भरी कॉल शिकायती पत्र के मुताबिक, पत्रकार अंकित गुप्ता ने हाल ही में साक्ष्यों के आधार पर एक समाचार पोस्ट किया था। इसके बाद, धनपुरी थाने में पदस्थ सहायक उप-निरीक्षक भूपेंद्र सिंह द्वारा उनके मोबाइल नंबर पर दोपहर करीब 3.20 बजे फोन किया गया। आरोप है कि कॉल पर पत्रकार को बेहद आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी गई कहा गया तेरी पत्रकारिता मै निकाल दूंगा। हैरानी की बात: पत्रकार अंकित गुप्ता का कहना है कि उनकी पोस्ट में किसी भी व्यक्ति का नाम, पहचान या पद का जिक्र तक नहीं किया गया था, फिर भी उन्हें इस तरह निशाना बनाया गया।

पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार

इस गंभीर घटना के बाद पीड़ित पत्रकार ने सीधे श्रीमान पुलिस अधीक्षक शहडोल को आवेदन सौंपकर न्याय की मांग की है। आवेदन पर 5 जुलाई की सील और तारीख भी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। पत्र में साफ तौर पर लिखा गया है कि यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) के कलमकारों को डराने और उनकी स्वतंत्रता को छीनने का सीधा प्रयास है।

पत्रकार परिषद की खुली चेतावनी उचित जांच नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन

इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय पत्रकार जगत में भारी आक्रोश है। शिकायती पत्र के अंत में प्रशासन को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी गई है। जांच की मांग: मामले की तुरंत और उचित जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आंदोलन का अल्टीमेटम-यदि इस मामले में लीपापोती की गई या कार्रवाई नहीं हुई, तो पत्रकार परिषद इसके खिलाफ उग्र आंदोलन और मुखर आवाज उठाने को मजबूर होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। अब देखना यह है कि शहडोल पुलिस प्रशासन अपने ही विभाग के कर्मचारी पर लगे इन गंभीर आरोपों पर क्या एक्शन लेता है और लोकतंत्र के रक्षकों को कितनी जल्दी न्याय मिलता है!